किलोल क्या है?

किलोल उदय सामुदायिक पाठशालाओं में आयोजित की जाने वाली एक वार्षिक गतिविधि है। लोग इसे अलग–अलग नामों से सम्बोधित करते हैं। कोई इसे बाल मेला कहता है और कोई वार्षिक उत्सव। पर उदय के शिक्षक इसे किलोल के नाम से ही सम्बोधित करते हैं।

किलोल मूलतः उदय पाठशालाओं में की जा रही शैक्षणिक नवाचारात्मक गतिविधियों की झाँकी है। इसमें यह दिखाने का प्रयास किया जाता है कि उदय सामुदायिक पाठशालाएँ कैसे चलती है? कौन–कौन से विषय पढ़ाये जाते हैं? और कैसे पढ़ाये जाते हैं? कक्षा व्यवस्था किस प्रकार की है? बच्चे सीखते कैसे है? साथ ही किलोल उदय पाठशालाओं में पढ़ने वाले सभी बच्चों को एक मंच प्रदान करता है। जहाँ वे उदय के दूसरे स्कूलों के छात्र–छात्राओं से मिलते हैं। आपसी सवांद और क्रियाकलापों के माध्यम से अपने अनुभव और ज्ञान का आदान प्रदान करते हुए अपनी समझ व जानकारी को विस्तार देते हैं। जिससे उनका परीवेश भी बढ़ता है और उनकी समझ भी बढ़ती है।

किलोल बच्चों को अपनी कला कौशल, रचनात्मकता व अन्य शैक्षिक क्षमताओं को निखारने व प्रस्तुत करने के लिये सक्रिय मंच प्रदान

करता है। जहाँ बच्चे स्वयं करके सीखने देखने और दिखाने की आनन्दायक और मनोंरजक गतिविधियों में भाग लेते हैं। इस तरह किलोल सिर्फ देखने की ही नहीं वरन करने की भी गतिविधि का नाम है।

किलोल बच्चों के साथ–साथ आस पास के जन समुदाय से जुड़ने तथा उन्हें बच्चों के शैक्षिक क्रियाकलापों में भाग लेने तथा समझने का अवसर प्रदान करता है। जहाँ अभिभावक, सरकारी व निजी शिक्षक व शिक्षा में रूची रखने वाले सभी संस्थान उपस्थित होकर उदय की गतिविधियों का अवलोकन करते हैं। तथा अपने महत्वपूर्ण सुझावों के माध्यम से उदय में किये जा रहे शैक्षिक नवाचार को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

किलोल एक सामुदायिक गतिविधि है। जिसमें सभी स्कूलों के बच्चे, शिक्षक, अभिभावक व ग्राम समुदाय मिलकर भाग लेते हैं और किलोल का आयोजन करते हैं। जो समुदाय को स्कूल और शिक्षा से जोड़ता है। यह जुड़ाव एक उत्सव के लिये नहीं होता है यह तो सतत प्रक्रिया है। जो लगातार चलती रहती है। किलोल में तो यह सार्वजनिक रूप से दिखाई देती है।

किलोल जहाँ उदय के बच्चों व संबंधित समुदाय को अपने क्रियाकलापों से जोड़ता है वहीं आस–पास के दूसरे शिक्षण संस्थानों व उनके बच्चों को भी आमंत्रित करता है। ताकि वे उदय में किये

जा रहे क्रियाकलापों, शैक्षिक गतिविधियों, मनोंरजक खेल व कला कार्यों में भाग लेकर आनन्द प्राप्त कर सके। एक ऐसा आनन्द जो उदय के बच्चे वर्ष भर लेते रहते हैं।

किलोल जहाँ अपने वार्षिक क्रियाकलापों की झाँकी है वहीं यह उदय की भावी योजनाओं की शुरूआत करने का मंच भी है। अर्थात उदय पाठशालाओं में कोई नया विषय या नई गतिविधि या कोई नई शिक्षण सामग्री (टी.एल.एम.) शुरू की जाने वाली है तो उसकी शुरूआत भी किलोल के माध्यम से की जाती है। ताकी लोगों के सुझाव प्राप्त हो सके। लोगो के सुझाव उस कार्य को और अधिक बेहत्तर बनाने के लिये उपयोगी साबित होते रहे हैं।

इस प्रकार किलोल ग्रामीण शिक्षा केन्द्र द्वारा बाल केन्द्रित नवाचारात्मक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विचार को लोकप्रिय बनाने का प्रयास है। जो शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से किया जा रहा है।

किलोल क्या है?